महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा केंद्र

एम. जे. (एम.सी.)
पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर

पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर
द्वितीय वर्ष के सत्रीय कार्य

2011—12

एमजेएमसी-5	:	विश्व का समाचार-जगत्
एमजेएमसी- 6	:	दृश्य-श्रव्य जनसंचार प्रविधि
एमजेएमसी-7	:	विकासात्मक जनसंचार
एमजेएमसी-8	:	ग्रामीण एवं पर्यावरण पत्रकारिता
एमजेएमसी-9	:	मुद्रण, प्रकाशन एवं जनसंचार प्रबंधन
एमजेएमसी-10	:	लघु शोध प्रबंध (प्रदत्त विषय पर)
एमजेएमसी-11	:	परियोजना कार्य (प्रोजेक्ट)

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अन्तर्गत स्थापित)

निदेशक, महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा केन्द्र
पोस्ट - हिन्दी विश्वविद्यालय, गांधी हिल, उमरी, वर्धा - 442005 (महाराष्ट्र)
फोन/फैक्स नं. : 07152-247146
वेब साईट: www.hindivishwa.org

सत्रीय कार्य 2011-12

(Assignment 2011-12)

पाठ्यक्रम कोड : एम.जे.एम.सी.

प्रिय छात्र/छात्राओं

यह पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष के सत्रीय कार्यो की पुस्तिका है। इसमें निम्नलिखित चारों पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य हैं।

एमजेएमसी-5	:	विश्व का समाचार-जगत्
एमजेएमसी- 6	:	दृश्य-श्रव्य जनसंचार प्रविधि
एमजेएमसी-7	:	विकासात्मक जनसंचार
एमजेएमसी-8	:	ग्रामीण एवं पर्यावरण पत्रकारिता
एमजेएमसी-9	:	मुद्रण, प्रकाशन एवं जनसंचार प्रबंधन
एमजेएमसी-10	:	लघु शोध प्रंबध (प्रदत्त विषय पर)
एमजेएमसी-11	:	परियोजना कार्य (प्रोजेक्ट)

उद्देश्य : सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्यक्रम से संबंधित सामग्री को कितना पढ़ा-समझा है और उसका विवेचन-विश्लेषण और मूल्यांकन करने की क्षमता कितनी अर्जित की है। सत्रीय कार्यो का उद्देश्य यह भी है कि पाठ्य सामग्री के अध्ययन के पश्चात् आप उसके संबंध में स्वयं अपना दृष्टिकोण

विकसित कर सकें और उन्हें अपने शब्दों में लिख सकें। इसका तात्पर्य यह है कि विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री को आप पुनर्प्रस्तुत न करें। बल्कि पूछे गए प्रश्नों का उत्तर सोच-विचार कर अपने शब्दों में लिखे। आपके उत्तर में आपका अध्ययन, आलोचनात्मक दृष्टि, रचनाओं के बारे में आपकी अपनी समझ और भाषा पर आपका अधिकार-व्यक्त होना चाहिए। आपके सत्रीय कार्य का मूल्यांकन करते हुए परीक्षक इन सभी बातों को ध्यान में रखेंगे।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1. अपनी उत्तर-पुस्तिका के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अपना अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।
2. अपनी उत्तर-पुस्तिकाओं की बाई और पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य कोड और उस अध्ययन केंद्र (यदि लागू हों) का नाम/कोड लिखिए, जिससे आप संबद्ध है।

उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा :

अनुक्रमांक : --

नाम : ---

पता : ---

दिनांक : ------------------

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : ----------------------------

सत्रीय कार्य कोड : ---------------------------------

अध्ययन केंद्र का नाम/कोड (यदि लागू हो) : ------------------------------------

----

3. उत्तर के लिए केवल फुलस्केप (A4) के आकार के कागज़ का इस्तेमाल करें और उन कागज़ों को अच्छी तरह से बाँध लें।

4. प्रत्येक उत्तर से पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।

5. अपनी लिखावट में उत्तर दें।

प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें :

1. प्रश्नों में जो पूछा गया है, उसको अच्छी तरह समझ कर उत्तर लिखें। जो नहीं पूछा गया है, उसे न लिखें। जितना पूछा गया है, उतना ही लिखें। आपका उत्तर सुसंगत, सुबोधगम्य और स्पष्ट हो।

3. अपने पास सत्रीय कार्य के उत्तर की प्रति अवश्य रखें।

शुभकामनाओं के साथ।

अमरेन्द्र कुमार शर्मा
(पाठ्यक्रम संयोजक)

<u>सत्रीय कार्य भेजने का पता :</u>

निदेशक, महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा केन्द्र,
पोस्ट - हिन्दी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा - 442005
महाराष्ट्र (फोन/फैक्स नं. : 07152-247146,

सत्रीय कार्य की अंतिम तिथि ..*30 अप्रैल 2012*

पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर
विश्व का समाचार-जगत्

पाठ्यक्रम कोड - एम.जे.एम.सी. 1
सत्रीय कार्य कोड - एमजेएमसी-1/2011-12

कुल अंक - 100

निम्नलिखित सत्रीय कार्यो में से किन्ही पाँच सत्रीय कार्य सपन्न करें। अंतिम सत्रीय कार्य अनिवार्य है। प्रत्येक सत्रीय कार्य 800 शब्दों में सम्पन्न करें।

1. समाचार पत्र की परिभाषा देते हुए 'समाचार पत्र' शब्द की विकाय यात्रा प्रस्तुत करें।

2. अन्तरराष्ट्रीय क्षेत्र में सूचना-राजनीति के परिदृश्य को स्पष्ट करते हुए अमेरिका की भूमिका का उल्लेख करें।

3. नेपाल में जनसंचार की भूमिका का विश्लेषण करें।

4. चीन में जनसंचार के लोकतांत्रिक चरित्र की समीक्षा करें।

5. किसी भी राष्ट्र में प्रेस की स्वतंत्रता के महत्व पर प्रकाश ड़ालें।

6. अंतरराष्ट्रीय प्रेस कानून क्या है, परिचय दें।

7. टिप्पणी लिखें

(क) प्रेस और सरकार

(ख) सेटेलाइट

दृश्य-श्रव्य जनसंचार प्रविधि

पाठ्यक्रम कोड - एम.जे.एम.सी. 6
सत्रीय कार्य कोड - एमजेएमसी-2/2011-12

कुल अंक 100

निम्नलिखित सत्रीय कार्यो में से किन्ही पाँच सत्रीय कार्य सपन्न करें। अंतिम सत्रीय कार्य अनिवार्य है। प्रत्येक सत्रीय कार्य 800 शब्दों में सम्पन्न करें।

1. भारत में इलेक्ट्रानिक संचार माध्यम के इतिहास का परिचयात्मक विश्लेष्ण करें।

2. भारत के सिनेमा में दादा साहब फालके के योगदान का विश्लेषण करें।

3. टेलीफिल्म क्या है। भारत में टेलीफिल्म की प्रासंगिकता पर प्रकाश ड़ालें।

4. भारत में टेलीविजन का विकास और निजी टी.वी. चैनलों के उभार का विश्लेषण करें।

5. रेडियो समाचार प्रसारण के मूल सिद्धान्तों का विश्लेषण करें।

6. सूचना प्रौद्योगिकी पर निबन्ध लिखें।

7. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिएः

(क) इन्टरनेट क्रांति

(ख) फ्लैश

विकासात्मक जनसंचार

पाठ्यक्रम कोड - एमजेएमसी. 7
सत्रीय कार्य कोड - एम.जे.एम.सी.-3/2011-12

कुल अंक 100

निम्नलिखित सत्रीय कार्यो में से किन्ही पाँच सत्रीय कार्य सपन्न करें। अंतिम सत्रीय कार्य अनिवार्य है। प्रत्येक सत्रीय कार्य 800 शब्दों में सम्पन्न करें।

1. संचार और विकासात्मक संचार में अन्तरों को स्पष्ट करें।
2. तीसरी दुनिया के विकासात्मक संचार के परिदृश्य का उल्लेख करें
3. जनसंचार के परम्परागत माध्यमों का आलोचनात्मक विश्लेषण करें।
4. विकास के ढाँचे में उत्पादन और विपणन में प्रिंट मीडिया की भूमिका का विवेचन करें।
5. विकासात्मक जनसंचार के प्रमुख सिद्धान्तो का विश्लेषण करें।
6. मुक्त शिक्षा में जनसंचार माध्यमों की उपयोगिता का विश्लेषण करें।

7. टिप्पणी लिखें।

(क) समूह संचार

(ख) इक्कीसवी सदी में विकासात्मक संचार

ग्रामीण एवं पर्यावरण पत्रकारिता

पाठ्यक्रम कोड - एमजेएमसी. 8
सत्रीय कार्य कोड - एमजेएमसी-4/2011-12

कुल अंक 100

निम्नलिखित सत्रीय कार्यो में से किन्ही पाँच सत्रीय कार्य सपन्न करें। अंतिम सत्रीय कार्य अनिवार्य है। प्रत्येक सत्रीय कार्य 800 शब्दों में सम्पन्न करें।

1. ग्रामीण संचार के विकास चक्र में पत्रकारों की भूमिका का विश्लेषण करें।
2. जनसंचार में लोकमाध्यमों की उपयोगिता का विश्लेषण करें ।
3. लोकवार्ता किसे कहते हैं। मौखिक परंपरा और लोक वार्ता को स्पष्ट करें।
4. भारत के पर्यावरणीय समस्या में जनसंचार की भूमिका का विश्लेषण करें।
5. पर्यावरण आन्दोलनों में जनसंचार की भूमिका की तर्कसंगता पर विचार करें।
6. ग्रामीण पत्रकारिता के उद्‌भव व विकास का विश्लेषण करें।

7. टिप्पणी लिखें

(क) आख्यान परंपरा

(ख) जलप्रदुषण अधिनियम

मुद्रण, प्रकाशन एवं जनसंचार प्रबंधन

पाठ्यक्रम कोड - एमजेएमसी. 9

सत्रीय कार्य कोड - एमजेएमसी-4/2011-12

कुल अंक 100

निम्नलिखित सत्रीय कार्यो में से किन्ही पाँच सत्रीय कार्य सपन्न करें। अंतिम सत्रीय कार्य अनिवार्य है। प्रत्येक सत्रीय कार्य 800 शब्दों में सम्पन्न करें।

1. विश्व के संदर्भ में मुद्रण के इतिहास का परिचय प्रस्तुत करें।
2. भारत में मुद्रण कला के विकास का विश्लेषण करें।
3. लघु समाचार पत्रों के विकासक्रम का उल्लेख करें।
4. विज्ञापन की भाषा और उसके प्रस्तुतीकरण पर प्रकाश डालें।
5. पत्रकारिता के इतिहास में पत्रकार संगठनों की भूमिका का उल्लेख करें।
6. प्रेस की स्वतंत्रता और सेंसर की नीति का विवेचनात्मक विश्लेषण करें।

7. टिप्पणी लिखें

(क) प्रेस एसोसिएशन ऑफ इंडिया

(ख) फोटोग्राफर एवं कार्टूनिस्ट

लघु शोध प्रंबध (प्रदत्त विषय पर)

पाठ्यक्रम कोड - एमजेएमसी. 10
सत्रीय कार्य कोड - एमजेएमसी-4/2011-12

कुल अंक 100

यह लघुशोध प्रबंध उन विद्यार्थियों पर लागू है, जिन्होने बीजे.एम.सी./बी.जे./पी.जी. डिप्लोमा इन जर्नलिज्म में 60% अथवा अधिक अंक प्राप्त किए हैं।

निम्नलिखित विषय नमूने के रूप में दिए जा रहे हैं जिनपर लघुशोध प्रबन्ध लिखा जा सकता है। आवश्यक नहीं है कि लघुशोध प्रबन्ध नीचे लिखे विषय पर ही हों। जनसंचार और पत्रकारिता से संबंधित किसी भी विषय पर पाठ्यक्रम संयोजक को संज्ञान में देते और सहमति लेते हुए शोध-प्रबंध लिखे जा सकते हैं।

1. इक्कीसवीं सदी में पत्रकारिता की चुनौतियाँ
2. 1990 के बाद जनसंचार की भूमिका में परिवर्तन
3. जनसंचार और मध्यवर्ग
4. भारत में टेलीविजन का विकास
5. विकास की अवधारणा और जनसंचार की भूमिका
6. विज्ञापन की भाषा का समाजशास्त्र
7. प्रेस की स्वतंत्रता
8. जनसंचार में इंटरनेट की भूमिका
9. संपादन-कला की चुनौतियाँ
10. भूमंडलीकरण और पत्रकारिता
11. स्त्री-सशक्तिकरण में जनसंचार की भूमिका

परियोजना कार्य (प्रोजेक्ट)

पाठ्यक्रम कोड - एमजेएमसी. 11
सत्रीय कार्य कोड - एमजेएमसी-4/2011-12

कुल अंक 100

परियोजना कार्य पत्रकारिता और जनसंचार विषय से संबंधित किसी भी विषय पर विद्यार्थी कर सकते हैं। विद्यार्थी के लिए आवश्यक है कि चुने हुए विषय पर परियोजना कार्य करने से पूर्व पाठ्यक्रम के संयोजक से चर्चा कर सहमति प्राप्त कर लें। नमूने के तौर पर यहाँ कुछ विषय दिए जा रहे हैं। विद्यार्थी चाहें तो इन विषयों पर भी परियोजना कार्य कर सकते हैं।

1. भारत में रेडियो के विकास से शिक्षा पर प्रभाव
2. प्रेस : स्वतंत्रता बनाम सेंसर
3. प्रेस के विकास में प्रेस संगठनों की भूमिका
4. दक्षिण एशिया के देशों में जनसंचार की भूमिका
5. अंतरराष्ट्रीय प्रेस कानून और भारतीय मीडिया
6. पर्यावरण संरक्षण में मीडिया की भूमिका
7. नयी आर्थिक नीति और मीडिया की भूमिका में बदलाव
8. इक्कीसवीं सदी में जनसंचार की चुनौतियाँ
9. समाचार चैनलों की भाषा
10. भूमंडलीकरण के बाद मीडिया के सरोकार
11. मीडिया में स्त्री